तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का अहवाल २०२२ -२०२३

आजादी का अमृत महोत्सव एवं महाविद्यालय के सुवर्ण महोत्सव के अवसर पर नूतन मराठा महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 'मंचीय हास्य-व्यंग्य काव्यधारा' विषय को लेकर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी संघोष्ठी का आयोजन किया गया था।दि. २८ दिसंबर २०२२ के दिन सुबह ९ से १० बजे तक अतिथियों का स्वागत किया गया। १० से ११ बजेतक मान्यवरों के साथ आयोजन समिति की चर्चा हुई। ११ से १२ बजे तक पंजीकरण चला। १२ से २ बजे तक भोजन अवकाश रहा। २.३० से ४.३० उद्घाटन सत्रचला।

उद्घाटन सत्र में अपना मंतव्य रखते हुए बिलासपुर [छ.ग] के पूर्व राजभाषा आयोग के अध्यक्ष डॉ.विनय कुमार पाठक

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षयता इकरा शिक्षण संस्था के मा. करीम सालार जी ने की। उद्घाटक के रूप में

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष्य डॉ. विनय कुमार पाठक तथा बीज भाषक के रूप में व्यंग्यालोचक डॉ. सुरेश माहेश्वरी विशेष अतिथि के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी जर्मनी की छात्र अलीचे डेफ़लोरियाँ

, हिंदी उपन्यासकार आनंद कश्यप [छ.ग] , मंचीय कवि डॉ. बृजेश सिंह [बिलासपुर छ. ग] उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र में बीज भाषण करते हुए प्रसिद्ध व्यंग्यलोचक डॉ. सुरेश माहेश्वरी अमलनेर [महाराष्ट्र]

उद्घाटन सत्र में डॉ. राहुल संदानशिव लिखित 'मंचीय हास्य-व्यंग्य काव्यधारा को डॉ. परमेश्वर गोयल का प्रदेय'; आनंद कश्यप द्वारा लिखित उपन्यास पर आधारित एवं डॉ. राहुल संदानशिव द्वारा सम्पादित पुस्तक'; गाँधी चौक कासमीक्षावृत ,तथा संघोष्ठी स्मरणिका''मंचीय काव्यधारा और नव- विमर्श'का लोकार्पण मान्यवरों के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर देश विदेश के बिस मान्यवरों को 'शिरोमणि सम्मान प्रदान किया गया।जिसमें डॉ. परमेश्वर गोयल [बिहार] डॉ. विनय कुमार पाठक [छ.ग] सुभाष काबरा [मुंबई] घनश्याम अग्रवाल [अकोला] डॉ. बृजेश सिंह [बिलासपुर] अलीचे डेफ़लोरियाँ [जर्मनी] शयंप्रकाश देवरा [राजस्थान] विट्ठल पारीख [राजस्थान] शेख फरान आरिफ [नीदरलैंड] डॉ. सुरेश माहेश्वरी [अमलनेर] डॉ. मधु खराटे [भुसावल] डॉ. सुनील कुलकर्णी [जलगावं] श्री. नीलेश भोईटे [संस्था के मानद सचिव] आदि नाम उल्लेखनीयहै।

संगोष्ठी स्मारिका का प्रकाशन करते हुए मान्यवर

उद्घाटन सत्र का प्रस्ताविक संघोष्ठी के मुख्य संयोजक डॉ. एल.पी. देशमुख जी ने किया। सूत्र संचालन डॉ.आफाक शेख ने किया ,आभार डॉ.राहुल संदानशिव ने व्यक्त किए।शाम ६ बजे से ९ बजे तक अंतर्राष्ट्रीय हास्य- व्यंग्य काव्य सम्मलेन का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ सुभाष काबरा [मुंबई] घनश्याम अग्रवाल [अकोला]डॉ. विनय कुमार पाठक [छ.ग] डॉ. बृजेश सिंह [बिलासपुर] डॉ. सुरेश माहेश्वरी [अमलनेर] अलीचे डिफ्लोरियाँ [जर्मनी] डॉ. राहुल संदानशिव [नूतनमराठा महाविद्यालय जलगांव] आदि ने काव्यपाठ किया। काव्य सम्मलेन के लिए बड़ी मात्रा में जलगांव केरसिक श्रोता उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय काव्य सम्मेलन में उपस्थित कवि सुभाष काबरा [मुंबई] अलीचे डिफ्लोरियाँ [जर्मनी] घनश्याम अग्रवाल [अकोला]डॉ.विनय कुमार पाठक डॉ. ब्रिजेशसिंह बिलासपुर [छ.ग] ऐ. के.यदु [छग.] डॉ.राहुल संदानशिव जलगावं

दि.२९ दिसंबर २०२२ गुरुवार के दिन ९.३० से ११.३० बजे तक प्रथम सत्र का आयोजन किया गया। इस

सत्र का विषय था ' आजादी के आंदोलन में हिंदी कविता की भूमिका।' विषय प्रवर्तक थे डॉ. सुनील कुलकर्णी [जलगावं] और सत्र की अध्यक्षयता की डॉ. विनय कुमार पाठक [छ. ग] जी ने। इस सत्र में कुल सातप्रतिभागियों ने आलेख प्रस्तुत किए जिनमें उज्जवला पाटिल ,डॉ. संजय महाजन ,डॉ.सैराज तड़वी ,डॉ. राजेंद्र बाविस्कर ,तेजस्विनी पाटिल ,अश्विनी सुरवाड़े आदि का समावेश था। इसी के सामानांतर ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया था। ऑनलाइन आलेख प्रस्तुत करनेवालों में डॉ. बालकराम बद्री [उत्तराखंड] डॉ. प्रिया ए [केरल] डॉ. चन्द्रिका चौधरी आदि उल्लेखनीय है। सत्र का संचलन प्रा विजय लोहार ने किया। आभार प्रा सुनील पाटिल ने व्यक्त किए।

११.३० से १.०० बजे तक द्वितीय सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का विषय था ' हिंदी की हास्य-

व्यंग्य काव्यधारा। ' इस सत्र के विषय प्रवर्तक थे श्री ए.के यदु [छ. ग] अध्यक्ष्य के रूप में डॉ. सुरेश माहेश्वरी उपस्थित थे। इस सत्र में कुल नौ प्रतिभागियों ने आलेख प्रस्तुत किए। जिनमें सुनील पाटिल, हुकुमचं जाधव,विजय लोहार हेमलता कंचनकार ,अनिल सूर्यवंशी ,अंशुमान मिश्र ,सुकृति शर्मा ,आदि उल्लेखनीय है।सत्र का संचलन प्रा अविनाश अहिरे ने किया। आभार तेजश्विनी पाटिल ने व्यक्त किए। १

बजे से २ बजे तक भोजन अवकाश रहा।दोपहर २ बजे से ३.३० तक तृतीय सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का विषय था "हिंदी के नव-विमर्श" विषय प्रवर्तक थे डॉ.राहुल संदानशिव [विभाग प्रमुख नूतन मराठा महाविद्यालय जलगावं] इस सत्र कीअध्यक्षयता की ड़ॉ. बृजेश सिंह जी ने। इस सत्र में कुल सात प्रतिभागियों ने आलेख प्रस्तुत किए ,जिनमें राजेंद्र बोंडे,संदीप शिंदे ,अनुभूति शर्मा ,दीपक लहारे ,भर्ती वलवी ,ड़ॉ आनंद कश्यप ,अलीचे डेफोरियाँ आदि सम्मलित थे। सचलन संदीप घोरपड़े [अमलनेर] ने किया। आभार पाटिल ने व्यक्त किए। ३.३० से ४.०० बजे तक चाय पान

तृतीय सत्र में आलेख प्रस्तुत करतीअलीचे डेफोरियाँ [जर्मनी]

शाम ४ से ५ बजे तक चतुर्थ सत्र का आयोजन किया गया। यह खुला चर्चा सत्र था। इस सत्र की अध्यक्षता

की प्रा अविनाश अहिरे जी ने। इस सत्र में अनेक विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। ५ से ६ बजे तक षष्ठम सत्र का आयोजन किया गया। यह समापन सत्र था। इस सत्र की अध्यक्ष थी डॉ. माधुरी .एस.पाटिल [उप प्राचार्या]प्रमुख अतिथि थे डॉ. विनय कुमार पाठक। सत्र के शुरू में डॉ.राहुल संदानशिव ने दो दिन चली संघोष्ठी का ब्योरा दिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रतिनिधिक स्वरुप में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। अध्यक्षीय मंतव्य के बाद आभार राहुल संदानशिव ने व्यक्त किए। दि. ३० दिसंबर २०२२ शुक्रवार के दिन सुबह १० बजे से शाम ५ बजे तक खानदेश दर्शन का आयोजन किया गया। अंत में सभी प्रतिभागी एवं मान्यवरों के आभार व्यक्त करते

हुए संगोष्ठी की समाप्ति की घोषणा की गई।**इस संगोष्ठी के लिए मान्यवरों सहित देश विदेश से कुल ४६ प्रतिभागी उपस्थित रहे।**

देशाच्या सामाजिक स्वास्थ्यासाठी हिंदी साहित्य, व्यंग दोन्ही महत्त्वाचे : डॉ. विनयकुमार पाठक

नूतन मराठा महाविद्यालयात आंतरराष्ट्रीय हिंदी परिषदेचे उद्घाटन

जळगाव : देशाच्या सामाजिक स्वास्थ्यासाठी निर्मळ हास्य निर्माण करणारे साहित्य तसेच सामाजिक स्थितीची वस्तुस्थिती विशद करणारे व्यंग या दोन्ही गोष्टींची सामाजिक हितासाठी आवश्यकता असते, असे प्रतिपादन छत्तीसगड येथील राजभाषा आयोगाचे माजी अध्यक्ष डॉ. विनयकुमार पाठक यांनी व्यक्त केले.

येथील जळगाव जिल्हा मराठा विद्या प्रसारक संस्थेच्या नूतन मराठा महाविद्यालयाच्या सुवर्ण महोत्सवी वर्षानिमित्त तसेच भारतीय स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सवी वर्षानिमित्त तीन दिवसीय आंतरराष्ट्रीय हिंदी परिषदेचे आयोजन २८ ते ३० डिसेंबर दरम्यान महाविद्यालयात करण्यात आले आहे. पहिल्या दिवशी दुपारी परिषदेचे उद्घाटन संचालक महेंद्र भोईटे यांच्या हस्ते झाले.

प्रमुख अतिथी म्हणून छत्तीसगड येथील राजभाषा आयोगाचे माजी अध्यक्ष तसेच साहित्यिक समीक्षक डॉ. विजयकुमार पाठक उपस्थित होते. अध्यक्षस्थानी ईकरा शिक्षण संस्थेचे अध्यक्ष डॉ. करीम सालार होते.

प्रसंगी मंचावर छत्तीसगड येथील डॉ. ब्रजेश सिंह, जयपूर येथील डॉ. विठ्ठल पारीख, बिहार येथील डॉ. परमेश्वर गोयल, इटली येथील कवयित्री अलीचे देफ्लोरियान, मुंबई येथील कवी सुभाष काबरा, अकोला येथील घनश्याम अग्रवाल, बिलासपूर येथील डॉ. आनंद कश्यप, अकोला येथील दीपक महाले, महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. एल. पी. देशमुख, हिंदी विभाग प्रमुख डॉ. राहुल संदानशिव उपस्थित होते.

यावेळी परिषदेच्या स्मरणिकेचे प्रकाशन मान्यवरांनी केले.अध्यक्षीय भाषणात डॉ अ.करीम सालार यांनी नवभारताच्या निर्मितीसाठी कवी आणि साहित्यिकांचे योगदान महत्वाचे असून कोणतीही भाषा नेहमीच प्रेम करायला शिकवते, असे सांगितले. सूत्रसंचालन डॉ.अफाक अंजुम शेख यांनी तर आभार डॉ.एम.एस.पाटील यांनी मानले.

डॉ.सुरेश माहेश्वरीचे बीजभाषण

डॉ.सुरेश माहेश्वरी यांनी विचार केंद्रस्थानी ठेवून त्यांना आधार मानून प्रधान्यता देत साहित्य निर्मिती करणे ही सध्याच्या काळाची गरज आहे, असे सांगितले. मंचीय कविता ही हास्य आणि व्यंगावर आधारित असून कवितेला प्रारंभी राजाश्रय मिळाला आणि नंतर लोकाश्रयही मिळाला असे प्रतिपादन हिंदी या विषयाचे जेष्ठ साहित्यिक डॉ. सुरेश माहेश्वरी यांनी केले.हिंदी भाषेचा अभ्यास करत असताना त्यातील व्याकरण आणि शब्दार्थ यांना खूप महत्त्व आहे. हिंदी भाषा ही सुंदर असून त्यातील मांडणी करण्यासाठी अनेक वेळा कस लागतो असेही त्यांनी सांगितले.

8:23 | 119KB/s

epaper.lokmat.com/ar...
epaper.lokmat.com

Diploma Programs.
Parul University
Apply Now

लोकमत

सामाजिक स्वास्थ्यासाठी हिंदी साहित्य महत्त्वाचे

डॉ. विनयकुमार पाठक : नूतन मराठा महाविद्यालयात आंतरराष्ट्रीय हिंदी परिषद

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : देशाच्या सामाजिक स्वास्थ्यासाठी हिंदी साहित्य आणि सामाजिक स्थितीची वस्तुस्थिती विषद करणारे 'व्यंग' महत्त्वाचे असल्याचे मत छत्तीसगड येथील राजभाषा आयोगाचे माजी अध्यक्ष डॉ. विनयकुमार पाठक यांनी बुधवारी व्यक्त केले.

नूतन मराठा महाविद्यालयाच्या सुवर्ण महोत्सवी वर्षानिमित्त तसेच भारतीय स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सवी वर्षानिमित्त तीन दिवसीय आंतरराष्ट्रीय हिंदी परिषदेचे आयोजन करण्यात आले आहे.

प्रमुख अतिथी म्हणून डॉ. विजयकुमार पाठक बोलत होते. व्यासपीठावर संचालक महेंद्र भोईटे, ईकरा शिक्षण संस्थेचे अध्यक्ष डॉ. करीम सालार, डॉ. ब्रजेश सिंह, डॉ. विठ्ठल पारीख, डॉ. परमेश्वर गोयल, इटली येथील अलीचे देफ्लोरियान, सुभाष काबरा, घनश्याम अग्रवाल, डॉ. आनंद कश्यप, दीपक महाले, प्राचार्य डॉ. एल. पी. देशमुख, हिंदी विभाग प्रमुख डॉ. राहुल संदानशिव उपस्थित होते. डॉ. राहुल संदानशिव लिखित 'हास्य व्यंग कविता मे परमेश्वर गोयल का योगदान' व आनंद कश्यप लिखित 'गांधी चौक समीक्षा वृत्त' पुस्तकांचेही प्रकाशन झाले. सूत्रसंचालन डॉ. अफाक अंजुम शेख यांनी केले.

Hello Jalgaon
Page No. 2 Dec 29, 2022
Powered by: erelego.com

डॉ. राहुल संदानशिव

[विभागाध्यक्षय हिंदी